

चड़ियाघरों के उन्नयन और वसितार की योजना

प्रलिमिस के लयि

वन्यजीव सप्तह, केंद्रीय चड़ियाघर प्राधकिरण, वन्यजीव (संरक्षण) अधनियम 1972

मेन्स के लयि

वन्यजीव संरक्षण संबंघी प्रयास, चड़ियाघरों का महत्त्व और भारत में इनका प्रबंधन

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने वन्यजीव सप्तह, 2020 (Wildlife Week 2020) के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार सार्वजनिक-नजिी भागीदारी (PPP) के माध्यम से देश भर में 160 चड़ियाघरों को बेहतर बनाने की दशा में काम कर रही है।

प्रमुख बदि

- केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश के सभी चड़ियाघरों को बेहतर बनाने और उनका विकास सुनिश्चित करने के लयि एक नई नीति बनाई जा रही है और आगामी बजट के दौरान इसके लयि धनराशा आवंटित की जाएगी।
- राज्य सरकारों, नगिमों, व्यवसायों और आम लोगों को इस योजना के प्रमुख तत्त्व के रूप में शामिल किया जाएगा। यह योजना आगंतुकों वशिष रूप से छात्रों, बच्चों और आगामी पीढ़ी को वन्यजीव, प्रकृति और मनुष्यों के बीच तालमेल स्थापित करने में सहायता करेगी।
- इसके अलावा केंद्रीय मंत्री ने चड़ियाघरों के अधिकारियों और कर्मचारियों को पशुओं के प्रबंधन और कल्याण की दशा में कार्य करने के लयि प्रोत्साहित करते हुए 'प्राणी मतिर पुरस्कार' (Prani Mitra Awards) भी प्रदान किया।
 - यह पुरस्कार कुल चार श्रेणियों में प्रदान किया गया जो एस प्रकार हैं- उत्कृष्ट नदिशक/क्यूरेटर, उत्कृष्ट पशुचकित्सा, उत्कृष्ट जीववज्जानी/शिक्षावदि और उत्कृष्ट पशु रक्षण।
 - 'प्राणी मतिर पुरस्कार' केंद्रीय चड़ियाघर प्राधकिरण द्वारा स्थापित किया गया है, ताकि चड़ियाघर के अधिकारियों और कर्मचारियों को पशु प्रबंधन की दशा में कार्य करने के लयि प्रोत्साहित किया जा सके।

वन्यजीव सप्तह (Wildlife Week)

- भारत में प्रत्येक वर्ष अक्तूबर माह के पहले सप्तह में वन्यजीव सप्तह (Wildlife Week) मनाया जाता है। इस तरह के आयोजन का उद्देश्य पशु-पक्षियों के संरक्षण को बढ़ावा देना है।
- वन्यजीव सप्तह की शुरुआत सर्वप्रथम वर्ष 1952 में वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से की गई थी।

चड़ियाघर या जूलॉजिकल पार्क

- वन्यजीव (संरक्षण) अधनियम, 1972** की धारा 2 (39) के अनुसार, चड़ियाघर या जूलॉजिकल पार्क का अर्थ ऐसे किसी प्रतष्ठितान से होता है, जहाँ जानवरों को आम जनता के लयि प्रदर्शनी हेतु रखा जाता है। साथ ही इन प्रतष्ठितानों का उपयोग लुप्तप्राय जानवरों के संरक्षण हेतु भी होता है।
- यद्यपि विश्व भर में चड़ियाघरों की शुरुआत एक मनोरंजन केंद्र के रूप में की गई थी, कति बीते कुछ दशकों में ये प्रतष्ठितान वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण संबंघी शकिषा के लयि महत्त्वपूर्ण केंद्रों के रूप में तबदील हो गए हैं।
- महत्त्व**
 - जानवरों के संरक्षण के अलावा, चड़ियाघर जानवरों की दुर्लभ प्रजातियों के संरक्षण में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। देश के कई चड़ियाघरों में बीमार, घायल और जंगली जानवरों की देखभाल की जाती है।

- चड़ियाघर में जानवरों वशेष तौर पर घायल जानवरों के लयि वशेष सुवधिएँ उपलब्ध होती हैं और इन जानवरों की देखभाल की जाती है ।
- लुप्तप्राय प्रजातयों को संरक्षति कर देश और वदश के चड़ियाघर या जूलॉजकिल पार्क भवषिय की पीड़ी के लयि काफी महत्त्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं ।
- जानवरों के वयवहार, पोषण आवश्यकताओं और प्रजनन चक्र आदिको समझने के लयि चड़ियाघर एक अनुसंधान प्रयोगशाला के रूप में कार्य करते हैं ।

भारत में चड़ियाघर या जूलॉजकिल पार्क

- केंद्रीय चड़ियाघर प्राधकिरण द्वारा प्रस्तुत आँकड़ों के अनुसार, देश भर में कुल 145 मान्यता प्राप्त चड़ियाघर मौजूद हैं ।
 - पश्चमि बंगाल के कोलकाता शहर में वर्ष 1854 में स्थापति संगमरमर पैलेस चड़ियाघर वर्तमान में देश का सबसे पुराना चड़ियाघर है ।
- भारत में चड़ियाघरों को वन्य जीवन (संरक्षण) अधनियम, 1972 के प्रावधानों के अनुरूप प्रबंधति और राष्ट्रीय चड़ियाघर नीति, 1998 के तहत नरिदेशति कयिा जाता है ।
- भारत सरकार ने देश में चड़ियाघरों के कामकाज की देखरेख करने और बनिा मान्यता वाले चड़ियाघरों की स्थापना को रोकने के लयि वर्ष 1992 में केंद्रीय चड़ियाघर प्राधकिरण (CZA) की स्थापना की थी ।

केंद्रीय चड़ियाघर प्राधकिरण (CZA)

- केंद्रीय चड़ियाघर प्राधकिरण एक सांवधिकि नकियाय (Statutory Body) है जिसका मुख्य उद्देश्य भारत में जानवरों के रख-रखाव और स्वास्थय देखभाल के लयि न्यूनतम मानकों तथा मानदंडों को लागू करना है ।
- केंद्रीय चड़ियाघर प्राधकिरण की अध्यक्षता केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री द्वारा की जाती है और इसमें कुल 10 सदस्य और एक सदस्य सचवि शामिल होता है ।
- इस प्राधकिरण का मुख्य उद्देश्य समृद्ध जैव वविधिता के संरक्षण में राष्ट्रीय प्रयास को और अधकि मज़बूती प्रदान करना है ।

स्रोत: पी.आई.बी

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/government-chalking-out-a-plan-for-up-gradation-and-expansion-of-zoos>

